



जिसे चाहा उसे पा ही लिया- 3

“जवान मौसी की चूत मारी मैंने ... मौसी भी मेरी बीवी की थी और बीवी के कहने पर ही मैंने मौसी को चोदा. मौसी की गांड भी मारी. ...”

Story By: रत्न दत्त (valmiks)

Posted: Wednesday, January 17th, 2024

Categories: [चाची की चुदाई](#)

Online version: [जिसे चाहा उसे पा ही लिया- 3](#)

जिसे चाहा उसे पा ही लिया- 3

जवान मौसी की चूत मारी मैंने ... मौसी भी मेरी बीवी की थी और बीवी के कहने पर ही मैंने मौसी को चोदा. मौसी की गांड भी मारी.

कहानी के दूसरे भाग

देसी बीवी की गांड मारी

मैं आपने पढ़ा कि बीवी के साथ सेक्स में कुछ नया करने के लिए मैंने उसके साथ BDSM की शुरुआत की थी. मैंने उसकी गांड भी मारी थी.

अब आगे जवान मौसी की चूत मारी :

एक दिन शाम को ऑफिस बंद होने के पहले बॉस की सेक्सी साली ऑफिस में आयी। काली स्कर्ट में उसकी गोरी मांसल जाँघें, टाइट ब्लाउज में उभरी चूचियां गजब की सेक्सी लग रही थी।

सभी उसको देख रहे थे.

उसने अपने सुन्दर चेहरे पर मुस्कान लाकर कहा- हेलो एवरी बॉडी !

सभी ने हाथ उठाकर हेलो कहा।

वह बॉस के केबिन में चली गयी।

मेरा और बहुतों के लंड खड़े होने लगे.

ऑफिस की छुट्टी होते ही मैंने मालविका को मेसेज भेजा- आज मैं बहुत मूड में हूँ, तैयार रहना !

मालविका का जवाब आया- दरवाज़ा चाबी से खोलकर बैडरूम में आना !

मैंने घर जाकर दरवाज़ा खोला, ड्राइंगरूम के बेसिन में लंड साबुन से धोया।
बैडरूम में घुसा तो देखा कि मालविका जमीन पर तकिया रखकर उस पर घुटनों के बल बैठी थी।

उसने जालीदार ब्रा पैंटी पहनी थी, जो उसने खुद बनायी थी।

मालविका ने अपनी आंखों पर पट्टी बांध रखी थी।

पलंग पर बेल्ट रखी थी।

मेरा लंड खड़ा हो गया, मैं तुरंत नंगा हो गया, बेल्ट हाथ में लेकर मैं बोला- जैसा मैं बोलूँ, वैसा करना, नहीं तो सजा मिलेगी।

मैंने मालविका के हाथ उसकी पीठ की तरफ करके बांध दिए।

तब मैंने लंड मालविका के लबों पर रखकर कहा- लंड चूमो!

मालविका ने लंड चूमने के बाद मुँह खोलकर लंड चूसा।

मैंने बेल्ट उसके पीठ पर मारकर कहा- मैंने लंड चूमने कहा था, चूसने को नहीं!

मालविका सॉरी बोलकर लंड चूमने लगी।

थोड़ी देर बाद मैंने कहा- अब लंड चाटो।

मालविका ने फिर लंड चूसने की कोशिश की, मैंने बेल्ट से मारकर कहा- चाटने बोला था।

वह मेरा लंड चाटने लगी।

बॉस की साली को देखकर और मालविका का जवाब पढ़कर मैं काफी उत्तेजित हो गया था,

अच्छा हुआ मैंने ऑफिस से निकलने के पहले ऑफिस टॉयलेट में मुठ मारी थी।

नहीं तो मैं मालविका के लंड चाटने से ही झड़ जाता।

मैं मालविका को बिस्तर पे ले लगा।

उसे चित लिटाकर बाँस की साली की जांघों की कल्पना करके मैं मालविका की जांघ चूमने लगा।

मैंने मालविका की जालीदार पैटी उतार दी, वह अपनी चूत हरदम झांट रहित और क्रीम लगाकर चिकनी रखती थी।

चूत चूमने के बाद मैंने मालविका की ब्रा उतार दी।

उसके चूचे उत्तेजना से तन गए थे।

मैं बाँस की साली के चूचों की कल्पना करके मालविका के चूचे चूसने दबाने, चूसने लगा।

तब मैं मालविका के फैले पैरों के बीच आया और घमासान चूत की चुदाई करने लगा।

चोदते समय मैंने अपनी आंखें बंद कर ली और कल्पना की कि मैं बास की साली को चोद रहा हूँ।

काफी देर बाद मैंने मालविका की चूत वीर्य से भर दी।

हम दोनों ने कपड़े पहने।

अब रात हो गयी थी, मालविका ने खाना लगा दिया।

खाना खाते समय मालविका बोली- ललित, आज किसको देखकर इतने जोश में आ गए थे ? चुदाई के समय अपनी आंख बंद करके किसकी कल्पना कर रहे थे ?

मैं- आज बाँस की सेक्सी साली ऑफिस में आयी थी, उसको देखकर जोश आया था।

मालविका तुम भी एक बात बताओ ... तुम भी कभी कभी संभोग के समय अपनी आंख बंद कर लेती हो, किसकी कल्पना करती हो ?

मालविका- किसी की नहीं, तुम ही काफी हो. मैं आंख बंद करके सम्भोग का आनंद लेती हूँ.

मालविका की उससे दो साल बड़ी एक मौसी थी, जो हमारे शहर में पीजी में रहकर नौकरी करती थी.

उससे मालविका हर तरह की बात कर लेती थी।

मौसी ने मालविका को सलाह दी थी कि पति के साथ सम्भोग के समय यदि किसी और की कल्पना करो तो पति को नहीं बताना।

यह बात मुझे बहुत बाद में पता चली कि मालविका सेक्स वीडियो के पुरुष की कल्पना करती थी.

मालविका की मौसी से मैं कई बार मिला था, मैं भी उनको मौसी कहता।

मौसी 5 फ़ीट 4 इंच लम्बी, भरा गोरा बदन, उनके बड़े चूचे ऐसे तने रहते थे जैसे शंख छाती में लगे हों।

मौसी होने के कारण मैं चूचों की तरफ देखना नहीं चाहता, पर साड़ी ब्लाउज में वे दिख जाते.

मेरी और मालविका की शादी को तीन महीने हो गए थे, मालविका मुझसे खुल कर बात करने लगी थी।

मालविका ने बताया- मौसी की शादी तय हो गयी है. तीन महीने बाद शादी होने वाली है। उनका मंगेतर पास के शहर में रहता है, वह मौसी से मिलने आता, दोनों साथ घूमते, होटल के कमरे में सम्भोग भी करते हैं।

हमें शादी में जाना था.

15 अगस्त सार्वजनिक छुट्टी थी मैं घर पर था, मालविका सहेली के साथ शॉपिंग करने गयी थी।

घर की कालिंग बेल बजने पर मैंने दरवाज़ा खोला.
मौसी दरवाज़े पर खाड़ी थी, वह दुखी लग रही थी।
मैंने उनको अंदर आने को कहा.

मौसी ने अन्दर आकर पूछा- मालविका कहाँ है ?
मैंने बताया- शॉपिंग को गयी है।
मौसी रोने लगी.

मैंने उनका हाथ पकड़कर पूछा- क्या हुआ ?
मौसी बोली- मेरे मंगेतर के दादा जी का देहांत हो गया है, अब शादी और एक साल बाद होगी।

उनमें प्रथा है निकट सम्बन्धी के देहांत के बाद एक साल शादी नहीं हो सकती, शादी एक साल के बाद होनी थी.

यह कहकर मुझसे लिपटकर रोने लगी।

मैं मौसी की पीठ पर हाथ फेरकर उन्हें चुप कराने लगा।
मौसी के चूचे मेरी छाती में दबे थे.
मैंने दूसरे हाथ से मौसी को और अपनी छाती से चिपका लिया.
मेरे लंड में हलचल होने लगी तो मैंने मौसी को छोड़ दिया.

मैंने चाय बनाकर मौसी को दी, मालविका आने के बाद मैंने उसे सब बताया।
उस दिन रात मौसी हमारे घर रही, मालविका के साथ सोई.

करीब एक महीने बाद मालविका ने मुझे बताया- मौसी के मंगेतर कुछ महीने के लिए ऑफिस के काम से विदेश जा रहे हैं, अब हमें मौसी की देखभाल करनी है, वह अपसेट है।

मौसी अक्सर हमारे घर आती, मेरी उनसे निकटता होने लगी।

मालविका ने बताया कि वह और मौसी अपने अपने सेक्स जीवन के बारे में भी बात करती है।

मौसी जब रात हमारे यहां रुकती, वह व्हिस्की ले आती, हम दोनों ने उनसे पीना सीख लिया.

तीनों साथ पार्टी करते।

रात में मौसी ड्राइंगरूम में सोती, मैं और मालविका नशे में बैडरूम में सम्भोग करते.

करीब तीन महीने बाद मालविका की रिश्तेदारी में शादी थी, उसे 10 दिन के लिए जाना था, मुझे छुट्टी नहीं मिली।

मैंने कहा- मालविका मैं तुम्हारे बिना कैसे रहूंगा ?

मालविका- मैं मौसी को बोल दूंगी कि हमारे घर आकर रहें.

फिर वह बोली- और एक बात तुम्हें बतानी है। मौसी के मंगेतर के विदेश जाने के बाद मौसी सेक्स के लिए तड़फती है. रात जब वह हमारे घर रहती है और हम नशे में सम्भोग करते हैं तो हमारे सेक्स की आवाज़ सुनकर उनकी हालत खराब हो जाती है. मौसी ने मुझे बताया। जब मौसी हमारे घर रहेंगी, यदि वह तुम्हारे निकट आने की कोशिश करे तो मना नहीं करना। तुमको भी मेरे न रहने से सेक्स की तलब होगी। यदि तुम्हारा मौसी के साथ शारीरिक सम्बन्ध हुआ तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। मौसी गर्भ निरोधक गोली लेती है.

मालविका जाने के बाद मौसी मेरे साथ रहने लगी.

वह साड़ी का पल्लू इस तरह लेती कि उनका एक चूचा दिखता.
मैं जी भरकर चूचे देखता।

पहली रात मौसी बैडरूम में और मैं ड्राइंग रूम में सोया।
मौसी खाना बनाती।

अगली रात मौसी बोली- कल छुट्टी है, पार्टी हो जाये!
हम पीने बैठे।

एक पेग के बाद मौसी बोली- साड़ी में गर्मी लग रही है, मैं कुछ हल्का पहनकर आती हूँ.
तुम भी कपड़े बदल लो. कुर्ते पजामे में गर्मी लग रही होगी।

मैंने बिना चड्डी बरमूडा और बिना बांह की बनियान पहनी.

मौसी कपड़े बदलकर आयी, उन्होंने घुटनो तक पारदर्शी नाइटी पहनी थी, ब्रा पैंटी साफ
दिख रही थी।

मेरा लंड थोड़ा खड़ा हो गया.

हमारे एक हाथ में गिलास था दूसरा हाथ हम एक दूसरे की जांघों पर फेर रहे थे।
मैं मौसी की चूत सहलाने लगा, उनकी पैंटी गीली हो गयी थी।

मौसी मेरा लंड सहलाने लगी।

हम दोनों खड़े होकर एक दूसरे के होंठ चूमने लगे।
मैंने मौसी की नाइटी और अपनी बनियान उतार दी.
ब्रा पैंटी में मौसी गजब की सेक्स लग रही थी।

मैं मौसी के शंख के समान चूचों को देखने के लिए उतावला था, मैंने उनकी ब्रा उतार दी।
उनके चूचे ऊपर की तरफ उठे थे शंख के समान!

मैं मौसी के चूचे दबाने चूसने लगा.
मौसी सिसकारी ले रही थी।

हम बिस्तर पर लेट गए.
मैंने अपना बरमूडा और मौसी की पैटी उतार दी।

मौसी ने चित लेटकर पांव फैला दिए।
मैंने अपना पूरा लंड एक झटके में चूत में डाल दिया.
मौसी ने मीठी आह भरी।

मैं धीरे धीरे चोदने लगा, मौसी के तने चूचे हिल रहे थे.

मौसी कमर उचकाकर साथ दे रही थी, उनकी आंखें बंद थी, शायद मंगेतर की कल्पना कर रही थी।
मुझे लगा कि मैं झड़ने वाला हूँ, मैंने लंड बाहर निकालकर उसे जड़ से पकड़ लिया, लम्बी साँस ली, झड़ना टल गया।

तब मैंने मौसी को कहा- अब डोगी पोजीशन में हो जाये ?
मौसी डोगी के समान पलंग के किनारे खड़ी हो गयी.

मैं जमीन पर खड़े होकर पीछे से चोदने लगा, साथ ही मैं मौसी के कूल्हों पर हल्के चांटे मार रहा था।

बैडरूम के बड़े आईने में मौसी के पैडुलम की तरह डोलते लम्बे चूचे देख रहा था।

मौसी कमर हिलाकर लंड और अंदर लेने की कोशिश करने लगी.

20 मिनट बाद मैंने जवान मौसी की चूत वीर्य से भर दी।

हम बाथरूम में लंड चूत धोकर आये, दोनों को कपड़े पहनने की जल्दी नहीं थी, हम साथ लेट गए.

मैंने पूछा- मौसी, कैसा लगा ?

मौसी ने मेरे होंठ चूमकर कहा- हम दोस्त हैं. अकेले में तुम मुझे मेरे नाम से पुकारो।

मैंने नाम पूछा, मौसी ने बताया- शंखपुष्पा !

तब मैंने मौसी के शंख के समान चूचों की तरफ देखकर कहा- मैं तुम्हें शंख नाम से पुकारूंगा।

शंख बोली- डौगी पोजीशन में जब तुम चांटे मार रहे थे, मुझे और जोश आ रहा था.

थोड़ी देर बाद हम चूमा चाटी करने लगे.

69 पोजीशन में एक दूसरे के लंड, चूत चूसने के बाद, शंख ने मेरे लंड की सवारी की.

जब वह लंड पर उछलती, उसके चूचे भी उछलते, देखकर और जोश आता।

मैंने शंख को पलंग के पास खड़ा होकर सामने झुककर हाथ और सिर पलंग पर रखने कहा।

मैं पीछे से चूत चोदने लगा साथ ही कूल्हों पर चांटे मार रहा था.

इस बार हमने 30 मिनट सम्भोग किया, फिर हम नंगे ही सो गए.

तीसरी रात मैंने शंख से मिसनरी पोजीशन में सम्भोग करते समय पूछा- पीछे (गांड) में लोगी ?

शंख ने कमर के नीचे तकिया लगाया और अपने पैर छाती की तरफ लेकर पकड़ लिए।

मैंने लंड पे तेल लगाया और गांड मारने लगा.

जब लंड गांड में डाला, शंख ने धीरे से उई कहा, फिर मजे से गांड मरवारने लगी.

मैं उसके कूल्हों पर चांटे भी मार रहा था।

लगता था कि शंख के मंगेतर ने उसकी गांड कई बार मारी होगी, उसे पहली बार का दर्द नहीं हुआ.

चौथी रात ज्यादा बारिश के कारण ट्रैफिक जाम था, हम दोनों काफी देर से थककर घर पहुंचे, उस रात बिना सम्भोग के सो गए।

पांचवे दिन छुट्टी थी।

सुबह मैंने कहा- आज एक दूसरे की मालिश करके साथ नहायें ?

हम दोनों नंगे हो गए.

पहले शंख ने मेरी मालिश की, फिर शंख उल्टी लेट गयी.

मैंने उसकी पीठ, कूल्हों की मालिश की।

शंख चित लेट गयी, मैंने उसके शंख के सामान चूचों की मालिश करते हुए कहा- एक खेल खेला जाये, तुम बकरी बनकर पलंग पर खडी होना, मैं तुम्हारा दूध निकालूंगा !

तो शंख पलंग पर बकरी के समान खड़ी हो गयी।

मैंने उसके गले में पट्टा बांधा, बेल्ट में रस्सी बांधकर, रस्सी पलंग से बांध दी।

पूँछ लगा आस प्लग गांड में डाल दिया।

शंख ने अपने आप को आईने में देखा और हंसने लगी।

मैंने कटोरी पलंग पर रखी, लटके चूचे सहलाकर, निप्पल उंगली से पकड़कर, निप्पल

मरोड़ने खींचने लगा जैसे दूध निकाल रहा हूँ।

मेरा लंड खड़ा हो गया.

शंख की चूत से पानी निकल रहा था।

वह बोली- बकरी को अब बकरे की जरूरत है।

मैंने पीछे से पहले चूत मारी, फिर गांड!

इसके बाद हम नहाने गए, मैंने एक दूसरे का मूत्र पीने और मूत्र स्नान का प्रस्ताव दिया।
शंख नहीं मानी।

हम रात को सेक्स वीडियो साथ में देखते और नए नए आसन में सम्भोग करते।

दस दिन बाद मेरी बीवी मालविका आ गयी।

मैं शंख को मौसी कहने लगा.

मौसी अपने घर चली गयी।

उस रात मेरा मालविका के साथ घमासान सम्भोग हुआ दो बार!

जब मालविका का मासिक धर्म होता, मालविका मौसी को बुला लेती।

मैं मौसी के साथ सम्भोग का आनंद लेता।

एक साल बाद मौसी की शादी हो गयी।

अब वह मेरे साथ सम्भोग के लिए नहीं आती।

हमारी शादी के 5 वर्ष हो गए हैं.

हम हर रात सम्भोग नहीं करते, हफ्ते में दो तीन बार होता है।
गुलाम का खेल चालू है।

हमने बच्चे के बारे में सोचा तो मालविका ने परिवार नियोजन की गोली लेना बंद कर दिया है।

आपको जवान मौसी की चूत की कहानी कैसी लगी, मुझे बतायें।
अपने विचार बताते समय कहानी का नाम भी लिखें।

valmiks482@gmail.com

Other stories you may be interested in

फेसबुक से आंटी को पटाकर सेक्स किया

पोर्न इंडियन आंटी Xxx कहानी में मैंने एक आंटी को फेसबुक से पटाकर चोदा. मुझको शादीशुदा महिलाएं ज्यादा पसंद हैं. आंटी की सेक्स लाइफ अच्छी नहीं चल रही थी. हाय दोस्तो, मेरा नाम राहुल है और मैं नोएडा का रहने [...]

[Full Story >>>](#)

बरसात में भीगी मादक नर्स की चूत चुदाई- 2

हॉट नर्स सेक्स कहानी में बारिश में एक नर्स मेरे साथ मेरे घर आ गयी थी. हालात ऐसे बने कि हम दोनों वासना में बह गए और सेक्स करने लगे. दोस्तो, मैं आपका दोस्त शरद सक्सेना एक बार फिर से [...]

[Full Story >>>](#)

मैंने अपने बेटे को जिस्म दिखाकर उत्तेजित किया

सेक्सी माँ की चूत की कहानी में पढ़ें कि मेरे पति मेरी चूत की तसल्ली नहीं कर पाते थे तो मुझे एक मस्त लंड की तलाश थी. मेरी नजर अपने बेटे पर गई क्योंकि यह सबसे सुरक्षित था. यह कहानी [...]

[Full Story >>>](#)

बरसात में भीगी मादक नर्स की चूत चुदाई- 1

सेक्सी नर्स ने लंड चूसा मेरा ... वह मेरे साथ जा रही थी कि बारिश में भीग गयी. तो मैं उसे अपने घर ले आया. उसके कपड़े बदलवाए. उसके बाद उसने क्या किया मेरे साथ ? दोस्तो, कैसे हो आप सभी [...]

[Full Story >>>](#)

ससुर ने मेरी ननद की चूत में लंड पेला

ससुर बहू सेक्स कहानी में पढ़ें कि मेरी ननद ने मेरे ससुर के लंड की तारीफ़ की तो मेरा मन ससुर से चूत मरवाने का हो गया. मैं उनको रिझाने लगी. और एक दिन ससुर जी ने मुझे पकड़ लिया. [...]

[Full Story >>>](#)

